

राग - यमन

धाट - कल्याण

वादी - ग

संवादी - नि

जाति - सम्पूर्ण

गायन समय -

आरोह - नि रे ग म प ध नि सा

अवरोह - सा नि ध प म ग रे सा

षड्ज - सा, नि रे ग, रे ग रे म ग, रे, नि

आलाप सा - - सानि - - ध नि - - ध सा - -
सानि ध नि - - निरे - - सा - - । निरे ग - -
निरे निग - - रे ग - - रे - - निरे - - सा - - ।
निरे ग - - मे ग - - रे ग - - रे, ग, मे, प - -
प (पध पम प) रे ग - - ग, रे - - निरे सा - -
ग - - मे ग - - प - - ग मे प मे ग - -
प - - प मे ध प - - मे ध - - नि ध प - -
मे ध प मे प - - प मे, प रे ग - - रे ग मे प रे
ग रे - - निरे - - सा - - ।

ग मे ग प - - प मे ग मे - - ध प - -
मे ध नि - - मे नि - - ध नि - - नि ध - -
नि प, मे ध नि ध, ध नि ध सां - - सां - -
नि रे सां - - सां नि ध नि - - ध - - प - -
मे ध नि ध प - - मे ध प, प रे ग - -
ग रे - - निरे सा - - ।

सा सा सा सा, नि नि रे, सा - - -

छोटा खयाल

स्थायी

भज मन करुणा निधान
सुख सम्पत रुक धाम
शरणागत वत्सल प्रभु
पूरत सब मन सुकाम

अन्तरा

मंगल सुख दायक प्रभु
अखिल जगत नायक विभु
अन्तर्यामी अविकल
निर्गुण कर चतुर धाम

श्रुति

नि ध	प म	ग म	प -	म ग	४
भ ज	म न	क रु	गा ऽ	नि धा	५ न

ग रे	ग म	प प	रे ग	रे नि	रे सा
सु ख	स म	प द	रु ऽ	क धा	५ म

सा सा	रे -	ग ग	म -	प प	ध प
श र	गा ऽ	ग त	व ऽ	त्स ल	प्र भु

प -	ध ध	नि नि	सां सां	नि ध नि	ध प
पू ऽ	र त	स न	म न	सु ऽ का	५ म

अन्तरा

प ग	प प	ध प	सां -	सां सां	रें सां
मं ऽ	ग ल	सु ख	दा ऽ	य क	प्र भु

सां सां	रें रें	गं रें	सां -	नि ध नि	ध प
अ रि	ल ज	ग त	ना ऽ	य ऽ क	वि भु

प -	मं मं	ग -	प रे	ग रे	सा सा
अं ऽ	त र	या ऽ	मी ऽ	अ नि	च ल

सां सां	रें रें	गं रें	सां सां	नी ध नी	ध प
नि र	गु ण	क र	च तु	रु ऽ धा	५ न

४

०

२

०

३

४

^x सां सां	^० ईं ईं	^३ ऐं ऐं	सां सां	निधनि	धप
नि र	गु ण	क र	च तु	र द्या	इन

स्थायी दुगुण - ^xभेज मन ... (पूरत सबभन सुकाम)

अन्तरा दुगुण - ^xमंगल ... (निरगुण कर चतुर ध्यान)

स्थायी-अन्तरा - ^xभेज मन ... (निरगुण कर चतुर ध्यान)

स्वर-विस्तार

स्थायी

१. ग⁺ - - रे ग म रे ग रे - सा -

२. ग - रे ग म प रे - - सा - -

३. प - म प - रे ग रे नि रे सा -

४. प नि - रे ग म ग म ध - प -

अन्तरा

१. सां - - - - - नि ध नि ध सां -

२. सां - - - - - नि रे ग - रे सां

३. सां - - - नि ध नि ध म ध प -

४. प म ग म ध - नि ध नि रे सां -